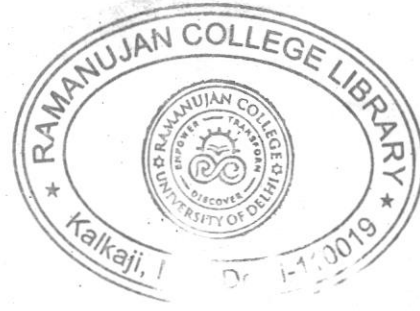


1/6/24 (EVT)

Sl. No. of Question Paper:	874
Unique Paper Code :	12315405
Name of the Paper :	Religion and Religiosity
Name of the Course :	G. E. : History
Semester :	IV
Duration :	3 Hours
Maximum Marks :	75



Instructions for Candidates

1. Attempt any **four** questions.
2. All questions carry equal marks.
3. Answers may be written in Hindi or English but the same medium should be followed throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश:

1. किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दें।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. Write an essay on religious beliefs of the Vedic Age. How far did the Puranic traditions carry them forward in some aspects while also departing from them in others?

वैदिक काल के धार्मिक मान्यताओं पर एक लेख लिखें। पौराणिक परंपराओं ने किस तरह से वैदिक मान्यताओं के कुछ पहलुओं को आगे बढ़ाया जब कि अन्य पहलुओं को बदल दिया?

2. Analyse the rise of Buddhism and Jainism in the post-Vedic period. Would you agree with the view that agrarian and political changes of the sixth century B.C. also contributed to their popularity?

वैदिक काल के बाद बौद्ध व जैन धर्म के उद्भव का विश्लेषण कीजिए। क्या आप इस बात से सहमत हैं कि उनकी लोकप्रियता में उन कृषि संबंधी तथा राजनैतिक परिवर्तनों का भी योगदान था जो छठी सदी ईसा पूर्व में हो रहे थे?

3. Discuss the diverse interpretations of the Sikh traditions and their emergence as a religion in India?

भारत में एक धर्म के रूप में सिख परंपरा और उसके उदय के विविध व्याख्याओं की विवेचना कीजिए।

4. How do you view the historical processes of and limitations to identity formation in medieval India?

मध्यकालीन भारत में अस्मिताओं के बनने की ऐतिहासिक प्रक्रियाओं तथा इन अस्मिताओं की सीमाओं को आप कैसे देखते हैं?

5. Do you agree with the view that Islamisation in medieval India was a slow historical process rather than a result of mass conversion?

क्या आप इस बात से सहमत हैं कि मध्यकालीन भारत में इस्लामीकरण एक धीमी ऐतिहासिक प्रक्रिया से हुआ - न कि सामूहिक धर्मपरिवर्तन के परिणामस्वरूप?

6. Discuss the idea of porous religious boundaries and liminal spaces in early colonial India with reference to any one of the major religions.

शुरुआती औपनिवेशिक दौर में मौजूद किसी एक स्थापित धर्म के संदर्भ में धर्म (रिलीज़न) की हदों व सीमांत संभावनाओं के विचार की विवेचना करें।

7. What role did census and reform movements play in consolidating religious identities and boundaries in colonial India?

धार्मिक अस्मिताओं के सुदृढीकरण में सरकारी जनगणना तथा सुधार आंदोलनों की क्या भूमिका थी?

8. Discuss the issues and arguments in the debates on the issue of secularism in the Constituent Assembly of India.

भारत की संविधान सभा में धर्मनिरपेक्षता पर हुए बहसों में उभरने वाले मुद्दों व दलीलों की विवेचना कीजिए।